Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 35 , 29 अक्टुबर, रविवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

महिला के कान में घुस गए 30 कीड़े, डॉक्टरों ने अंडे भी निकाले बाहर

नई दिल्ली। डॉक्टरों ने 76 वर्षीय बुजुर्ग महिला के कान से 30 कीड़े-मकौड़ों को निकाला है। कीड़ों ने महिला के कान में अंडे तक दे दिए थे। यह पूरा मामला चीन के चांग्शा शहर का है। सेंट्रल साउथ यूनिवर्सिटी के जियांग्या हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने महिला का चेकअप किया। इस पूरे ट्रीटमेंट का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी हुआ है। महिला के कान में लगातार दर्द होने की वजह से उसे नाक, कान, गले के डॉक्टर के पास जाने के लिए कहा गया। इस मामले में मरीज की पोती ने कहा कि दादी के कान में अचानक दर्द उठा। इसके बाद उनके कान में बीमारी का पता चला है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बुजुर्ग महिला ने कभी भी अपने कान की सफाई नहीं कराई थी। इसी वजह से कीड़े-मकौड़ों ने उसे अपना घर बना लिया। स्थानीय क्लीनिक ने महिला के कान में लार्वा दिखने की बात की है। इसके बाद डॉक्टर ने एक बड़े अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया। डॉक्टरों का कहना है कि महिला के कान से कीड़ों को निकाल लिया गया है लेकिन अभी और सर्जरी की जाएगी।

20 किलो गांजा समेत दो महिला तस्कर गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली। पुलिस ने नंदनगरी व आसपास के क्षेत्रों में पश्चिम बंगाल से गांजा लाकर आपूत्तर करने वाली दो महिलाओं को गिरफ्तार उनसे 20 किलो गांजा बरामद किया है। दोनों महिला तस्करों के नाम लूसी नेल (42) और सविना देवी (35) हैं। पुलिस को दोनों के किसी गैंग से जुड़ी होने की आशंका है। केस दर्ज कर पुलिस पूछातछ कर उनके गैंग शामिल अन्य तस्करों की जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि नंदनगरी क्षेत्र में दो महिलाएं गांजा लेकर आने वाली हैं। सूचना पर एसीपी सुबोध गोस्वामी की देखरेख में एसआई अखिल, कांस्टेबल राजदीप, योगेश और संजीव की टीम गठित कर बस स्टाप के पास से दो बैग समते वहां पहुंची दो महिला को गिरफ्तार कर उनके बैग से 20 किलो गांजा बरामद किया गया। पुलिस पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्हें गांजा पहुंचाने के लिए ढाई हजार रपए मिलते हैं। थाना ज्योतिनगर पुलिस ने इस बाबत मामला दर्ज कर लिया है।

छह हजार से अधिक छात्राएं ले चुकी मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण

नई दिल्ली। बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस द्वारा छात्राओं को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण देकर उन्हें सक्षम बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कंपनी द्वारा प्रशिक्षण दिलाने का यह कार्य पिछले एक वर्ष कराया जा रहा है। अभी तक 6 हजार से अधिक छात्राओं को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वर्ष 2017 दिसंबर तक 10 हजार छात्राओं को प्रशिक्षण दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रशिक्षण लेने वाली छात्रा को दो माह का प्रशिक्षण दिया जाता है।

दो माह में उसे सक्षम बनाने का प्रयास किया जाता है। इस मामले में बीएसईएस के प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी गरीब छात्र छात्राओं के हितों में कई कार्यक्रम चला रही है। वर्ष 2017 दिसंबर तक 10 हजार छात्राओं को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है अभी तक 6000 से अधिक छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने कहाकि जनवरी माह में अगलेवर्ष का लक्ष्य तय किया जाएगा और उस लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

हेड कांस्टेबल से 14 हजार ठगे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल से एटीएम कार्ड रिन्यू कराने के नाम पर 14 हजार रपए ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर क्राइम ब्रांच ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है.हेड कांस्टेबल जगमाल सिंह तृतीय वाहिनी में विकासपुरी में तैनात है। आठ जुलाई को उसके मोबाइल पर एक फोन आया कि वह बैंक मैनेजर बोल रहा है, आपके एटीएम कार्ड की अवधि

समाप्त हो गई है। इस पर न्पीड़ितो कहा कि वह कल बैंक जाकर कार्ड रिन्यू करवा लेगा, लेकिन जालसाज ने उसे अपनी बातों में फंसाते हुए कहा कि वह यहीं से कार्ड रिन्यू कर देगा।

इस पर पीड़ित ने जालसाज को अपने कार्ड का नंबर बता दिया। बाद में उसके पास आए एक मैसेज में ओटीपी आया, यह भी उसे बता दिया। इसके कुछ देर बाद ही उसके खाते से 14 हजार रपए निकलने का मैसेज आया। इसके बाद जालसाज का फोन स्वीच हो गया। क्राइम ब्रांच ने इस बाबत मामला दर्ज कर लिया।

नेपाल में यात्रियों से भरी बस नदी में गिरी, 28 की मौत, 16 घायल

नेपाल। नेपाल के धादिड़ जिले में आज यात्रियों से खचाखच भरी एक बस के दुर्टनाग्रस्त हो कर नदी में गिर जाने के कारण कम से कम 28 लोगों की मौत हो गयी। मतकों में एक भारतीय महिला शामिल है।

धादिड़ के पुलिस अधीक्षक ध्रुब राज राउत ने बताया कि काठमांडो से करीब 70 किलोमीटर पश्चिम में घाटबेसी मोड पर बस सुबह करीब पांच बजे दुर्टनाग्रस्त होकर त्रिशुली नदी में जा गिरी। नेपाल सेना के जवानों सहित सुरक्षा बलों और सशस्त्र बलों के जवानों ने पथ्वी राजमार्ग से लगे दुर्टनास्थल से नदी से 16 घायल यात्रियों को बाहर निकाला। मीडिया खबर के अनुसार बचाव टीम अब तक 28 शवों को निकाल चुकी है और अन्य लापता यात्रियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है लेकिन इनमें से गंभीर रूप से घायल दो यात्रियों को इलाज के लिए काठमांडो ले जाया गया है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक खबरों के मुताबिक, खराब दश्यता के कारण एक मोड़ पर तेज रफ्तार बस पर नियंत्रण पाने में चालक के असफल रहने के कारण हादसा हुआ। पुलिस ने बताया कि बस में 52 यात्री यात्रा कर रहे थे।

प्रथम दष्टया पुलिस ने आज हुये हादसे के लिए खराब दश्यता को जिम्मेदार माना है। हालांकि देश में ऐसी दुर्टना आम बात हैं और खराब बुनियादी सुविधाओं और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण अधिकांश हादसा होते है।

फैजाबाद बस हादसा : घायल बच्चे लखनऊ रेफर

उन्होंने आगे बताया कि इन शवों की

अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। खबर में बताया गया है कि 15 लोग सुरक्षित तैर कर नदी के तट तक पहुंचने में सफल रहे। हादसे में उन्हें मामूली चोटें आईं। अधिकारी ने बताया कि यात्रा कर रहे यात्रियों के सही संख्या के बारे में तत्काल पता नहीं चल सका है। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। राउत ने बताया कि कुछ अन्य यात्रियों के बस में फंसे होने की आशंका है और उन्हें बचाने के लिए भी अभियान चलाया जा रहा है।

टोल पर भाजपा विधायक पति ने की गुंडई, कर्मचारियों से की मारपीट

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में रत्लाम में एक भाजपा विधायक के पति के गुंडई का वीडियो सामने आया है। आरोप है कि विधायक पति ने यहां के बांसवाड़ा रोड पर सरलापाड़ा टोलप्लाजा पर यहां के कर्मचारियों के साथ मारपीट की। घटना की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है। खबरों के मुताबिक वीडियो में गुंडई करते दिख रहा शख्स सैलाना विधायक संगीता चारेल का पति है, जो अपने चार अन्य साथियों के साथ टोलकर्मियों से बदसलूकी करते दिख रहा है। स्थानीय पुलिस के मुताबिक गुरुवारा रात करीब 11 बजे अग्रहवा टोल प्लाजा पर सैलाना भाजपा विधायक संगीता चारेल के पति विजय चारेल, हरसोला गांव के सरपंच गोरधन व दो अन्य आरोपी एक ही वाहन से पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि टोल पर मौजूद कर्मियों ने उनसे टोल न देने की वजह से वाहन निकालने में देरी कर दी जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। इसी दौरान वाहन में सवार आरोपियों ने कर्मचारियों से मारपीट की।

घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

उधर, विजय चारेल ने मामले पर कहा है कि उनके ड्रायवर से टोल टैक्स कर्मचारियों के बीच विवाद हो गया था तो उन्होंने मामले में बीच-बचाव कर मामला शांत किया, मारपीट नहीं की गई।

इंडियन आयडल का ये सिंगर निकला लुटेरा, जीत चुका है गोल्ड मेडल

नई दिल्ली। लूट और वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने के आरोप में पुलिस ने एक हाइप्रोफाइल युवक को दोस्त सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी सूरज उर्फ फाइटर कंप्यूटर इंजीनियर है। इंडियन आयडल में भाग लेने के साथ ही वह ताइकवांडो में राष्ट्रीय स्तर पर दो गोल्ड मेडल जीत चुका है। वह फर्राटेदार अंग्रेजी बोलता है, लेकिन महंगे शौक ने उसे लुटेरा बना दिया। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी से लूट एवं वाहन चोरी की पांच वारदातों को सुलझाने का दावा किया है। पुलिस उपायुक्त एमएन तिवारी के अनुसार बीते 21 अक्तूबर को दीपक अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ रणहौला इलाके से जा रहा था। रास्ते में बदमाशों ने उन पर मिर्ची का स्प्रे कर दिया। इसके बाद पिस्तौल के बल पर उनका पर्स, सोने की चेन, मोबाइल, एटीएम कार्ड आदि लूट लिए। दीपक की शिकायत पर रणहौला पुलिस ने मामला दर्ज किया।

वाहन चोरी निरोधक दस्ता कर रहा था छानबीन

इस वारदात को ध्यान में रखते हुए वाहन चोरी निरोधक दस्ते की टीम भी छानबीन कर रही थी। एक गुप्त सूचना पर पुलिस ने रणहौला निवासी सूरज उर्फ फाइटर को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। उसने रणहौला में हुई लूट को अंजाम देने का गुनाह पुलिस के समक्ष कबूल कर लिया। पुलिस ने शिकायतकर्ता का पर्स, एटीएम कार्ड, एक कट्टा, मिर्ची का स्प्रे और वारदात के

दौरान इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद कर ली।

सूरज पर 24 मामले हैं दर्ज

सूरज के खिलाफ पहले भी 24 मामले दर्ज हैं। उसने पुलिस को बताया कि पड़ोस में रहने वाला अनिल भी उसके साथ वारदात में शामिल था। इस जानकारी पर पुलिस ने अनिल को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस हिरासत में जब आरोपी को मीडिया के समक्ष पेश किया गया तो उसने अपनी मधुर आवाज में कैमरे पर गाना सुनाया।

अच्छे परिवार से है संबंध

गिरफ्तार किया गया सूरज एक अच्छे परिवार से संबंध रखता है। उसके पिता हाईकोर्ट में अधिवक्ता हैं। सूरज ने कंप्यूटर इंजीनियर का डिप्लोमा किया हुआ है। इसके साथ ही वह ताइकवांडो का राष्ट्रीय चैंपियन भी रहा है। वह अच्छा गायक है और इंडियन आयडल में हिस्सा ले चुका है।

आरक्षण पर कांग्रेस 3 नवंबर तक अपना रुख साफ करे

नई दिल्ली। गुजराज में पाटीदार समाज के चर्चित नेता हार्दिक पटेल ने कांग्रेस को तीन नवंबर तक का अल्टीमेटम दिया है। हार्दिक पटेल ने कहा है कि अगर पाटीदार समुदाय को आरक्षण के मामले पर कांग्रेस ने अपना स्टैंड क्लीयर नहीं किया तो उनका हाल भी भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की तरह होगा। हार्दिक पटेल ने ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस बताएं कि वह पाटीदार को संवैधानिक आरक्षण कैसे देगी। नहीं तो सूरत में अमित शाह की सभा में जो हुआ था वैसा ही कांग्रेस साथ भी होगा।

रोहिंग्या मुसलमानों की आबादी कम करने के लिए नसबंदी कराएगा बांग्लादेश

नई दिल्ली। बांग्लादेश में मौजूद रोहिंग्याओं के शिविरों में जन्मदर नियंत्रण के प्रयासों को बढ़ावा देने में नाकाम रहने के बाद बांग्लादेश एक नया प्रयोग करने जा रहा है। बांग्लादेश अब उनकी बेहिसाब आबादी पर अंकुश लगाने के लिये स्वैच्छिक नसबंदी शुरू करने की योजना बना रहा है। शिविरों में रह रहे करीब 10 लाख रोहिंग्या रहने के लिए जगह की कमी से जूझने के कारण ऐसा कदम उठाया जा रहा है।

बंगलादेश-म्यांमार सीमा पर फंसे 15 हजार रोहिंग्या पर ह ने जताई चिंता

बांग्लादेश इस समय परेशानी की स्थिति में है क्योंकि पड़ोसी देश म्यांमार में अगस्त में सैन्य कार्यवाई के बाद से छह लाख से अधिक रोहिंग्या बांग्लादेश में आये हैं, जिससे इस गरीब देश के मानव संसाधनों पर भार बढ़ता जा रहा है। बता दें कि हाल ही में म्यांमार के रखाइन प्रांत से में पलायन करके हजारों रोहिंग्या शरणार्थी यहां पहुंचे हैं। इनमें से अधिकतर बेहद दयनीय हालत में रह रहे हैं जिन्हें भोजन, स्वच्छता या स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहद सीमित सुविधा उपलब्ध है और स्थानीय अधिकारियों को भी यह आशंका है कि परिवार नियोजन के उपायों जिला परिवार नियोजन अधिकारियों ने गर्भनिरोधक दवाइयां उपलब्ध कराने के लिये मुहिम शुरू की है लेकिन उन्होंने कहा कि अब तक इन शरणार्थियों के बीच वे महज 549 कंडोम के पैकेट ही वितरित कर पाये हैं।

उन्होंने कहा कि इन गर्भनिरोधकों के इस्तेमाल के प्रति रोहिंग्या अनिच्छुक नजर आते हैं। भट्टाचार्य ने बताया कि उन्होंने सरकार से रोहिंग्या पुरूषों में नसबंदी और रोहिंग्या महिलाओं में बंध्याकरण शुरू करने की योजना को मंजूरी देने के लिये कहा है। बहरहाल अनुमान है कि इस कार्य में उन्हें बेहद संघर्ष का सामना करना होगा।

कई शरणार्थियों का मानना है कि अधिक आबादी से उन्हें शिविरों में गुजारा करने में मदद मिलेगी, क्योंकि ऐसे हालात में वे अधिक बच्चे होने पर उन्हें रोजमर्रा की जरूरतों की चीजों को हासिल करने के काम में लगा सकते हैं। कई अन्य ने बताया कि गर्भनिरोधक इस्लाम के सिद्धांतों के खिलाफ है।

पत्नी की जान लेने के बाद खुद को मारी गोली, पुलिस खड़ी देखती रह गई...

एटा। यूपी के एटा में पारिवारक विवाद में युवक ने पत्नी की हत्या करने के बाद पुलिस के सामने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इससे पहले भाई को भी गोली मार दी। एसएसपी, एएसपी की अपील के बाद भी जब फायर कर रहा युवक बाहर नहीं आया तो पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। गोली लगने से घायल हुए युवक को आगरा रेफर किया गया है। कोतवाली नगर के निधौली रोड पर सोनू (40) स्मैक का नशा करने का आदी है। नशा करने के बाद उसके सिर पर सनक सवार हो जाती है। शनिवार की सुबह नशा करने के बाद घर में विवाद करने लगा। सोनू अपनी पत्नी रूबी (35) के साथ कमरे में बंद हो गया। भाई रवि न सोनू को समझाने का प्रयास किया तो रवि को कमरे से ही गोली मार दी। रवि के गोली हाथ में लगी। गोली लगते ही पूरा घर दहशत में आ गया। हाथ में तमंचा लेकर लहरा रहा था। इस मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस के पहुंचते ही वह बौखला गया। पुलिस को भी गालियां देने लगा। कोतवाली पुलिस के समझाने के बाद भी मामला नहीं सुलझा तो अधिकारियों को बताया गया। सीओ सिटी वरुण कुमार, एएसपी संजय कुमार पहुंच गई। एएसपी के भी प्रयास विफल हो गए। हाथ में तमंचा लिए गालियां दिए जा रहा था।

पुलिस घर के बाहर खड़ी थी इसी समय गोली चलने की आवाज सुनाई दी। कुछ ही देर में दूसरी गोली चली। पुलिस को अनहोनी की आशंका होने लगी। पुलिस ने उसके घर में आंसू गैस के गोले छोड़े। इसक् बाद भी जब वह बाहर नहीं निकला तो पुलिस घर के अंदर घुस गई। पुलिस ने कमरे के अंदर झांककर देखा तो दोनों खून से लथपथ पड़े थे।

गेट तोडकर जब बाहर निकाला तो रुबी की मौत हो चुकी थी जबकि सोनू की सांसे चल रही थी। सोनू को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर एसएसपी अखिलेश चौरसिया भी मौके पर पहुंच गए। घायल रवि की हालत गंभीर देख आगरा रेफर किया गया है।

ट्रैक पर बैठे बेटे को बचाने गया पिता, दोनों की ट्रेन से कट कर मौत

कन्नौज। कन्नौज में कानपुर-फर्रुखाबाद रेल रूट पर बाप-बेटे की ट्रेन से कट कर दर्दनाक मौत हो गई। हादसा गुरसहायगंज के करीब रामाश्रम पुल के ऊपर रेल ट्रैक पर हुआ। अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं साले ने पुल के ऊपर ट्रैक से कूद कर अपनी जान बचाई। गंभीर रूप से घायल साले को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शनिवार की सुबह अमारौली निवासी रावेन्द्र सक्सेना का बेटा नितिन घर से स्कूल के लिए निकला था लेकिन स्कूल नहीं गया। रावेन्द्र उसकी तलाश में निकला था, उसके साथ में साला अमन भी था। नितिन उनको रेल ट्रैक पर दिखाई पड़ा। उसके पास पहुंचने के लिए रावेन्द्रव मामा अमन ट्रैक पर चले गए। काली नदी पुल के ऊपर ट्रैक पर रावेन्द्र व अमन पहुंचे तो सामने से धड़ धड़ाती हुई अहमदाबाद-गारेखपुर एक्सप्रेस (19409) आ गई। अमन ने कूद कर किसी तरह अपनी जान बचाई लेकिन नितिन और रावेन्द्र ट्रेन की चपेट में आकर कट गए।

ड्राइवर-गार्ड शवों को ट्रेन से गुरसहायगंज ले गए

घटना के बाद कुछ आगे ट्रेन रुकी, ट्रेन ड्राइवर व गार्ड ने मानवता दिखाते हुए दोनों शवों को ट्रेन से गुरसहायगंज स्टेशन तक ले गए। गार्ड ने मेमो स्टेशन मास्टर को दिया।

लेकिन यहां कोई मानवता नहीं

ट्रेन के ड्राइवर और गार्ड से स्टेशन मास्टर ने घटना का मेमो लेकर जीआरपी कन्नौज को भेजा। जीआरपी ने घटना सिविल पुलिस क्षेत्र की बताई। इसके बाद गुरसहायगंज कोतवाली मेमो भेजा गया। पुलिस ने घटना स्थल कमालगंज थाने का बता कर मेमो लेने से मना कर दिया। काफी मशक्कत के बाद दोपहर करीब 12 बजे कोतवाली पुलिस गुरसहायगंज रेल स्टेशन पर पहुंची। तब कहीं शवों का पंचनामा व पोस्ट मार्टम की कार्रवाई शुरू हुई।

स्वास्य सेवाएं निर्बाध रूप से रही जारी, डयूटी देने के बाद रहे भूख हड़ताल पर

एम्स के रेजिडेंट डाक्टर दूसरे दिन भी रहे भूख हड़ताल पर

नई दिल्ली। हम भूखे रहकर मरीजों को देखेंगे। हम अपना आंदोलन अन्तिम सांस तक जारी रखेंगे। यह कहना है कि एम्स के आंदोलनकारी रेजिडेंट्स डाक्टरों का। खास यह है उनका यह आंदोलन अब जन आंदोलन बनता जा रहा है। इसमें तमाम डाक्टर्स एसोसिएशन्स के साथ ही मरीज भी शामिल हो रहे हैं। उधर सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें जनवरी 2016 से लागू कराने की मांग को लेकर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के दो हजार रेजिडेंट डॉक्टर दूसरे दिन शुक्रवार को भी भूख हड़ताल पर रहे। खास यह है कि उनके इस कदम से स्वास्य सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रही। उन्होंने पहले ड्यूटी दी फिर धरने पर बैठे। भोजनावकाश के दौरान उन्होंने सरकार के खिलाफ एम्स परिसर में ही प्रदशर्न किया। एम्स रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. हरजीत ने बताया कि अनिश्चित कालीन के लिए हड़ताल का आज दूसरा दिन रहा। हमें उम्मीद है कि केंद्र सरकार की तरफ से हमें कोई सकारात्मक पहल होगी लेकिन देर सायं तक स्वास्य मंत्रालय की तरफ से उन्हें किसी भी प्रकार की हमारी मांगों संबंधी सूचना नहीं मिली। अन्य मेडिकल कॉलेज ने दिया समर्थन : एम्स रेजिडेंट्स के समर्थन में अब अन्य मेडिकल कॉलेजों एवं उनसे संबद्ध अस्पतालों के डाक्टर भी शामिल हो गए। इनमें लेडी हार्डिग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी), यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साईसेंज (यूसीएमएस), मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी), मौलाना आजाद डेंटल इंस्टीट्यूट (मेड्स) के करीब 500 से अधिक रेजिडेंट डाक्टरों ने समर्थन दिया।

जरूरत पड़ी तो स्वास्य सेवाएं कर देंगे ठप : आरडीए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विजय गुर्जर ने कहा कि जब डॉक्टर भूखे रह सकते हैं तब तक इलाज करते रहेंगे। अगर किसी की तबियत खराब होती है तो इसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। उन्होंने कहा कि सिफारिशें लागू कराने की मांग को लेकर एम्स के डॉक्टर लंबे समय से परेशान हैं। प्रबंधन से लेकर केंद्रीय स्वास्य मंत्रालय के अधिकारियों तक से बातचीत के बाद भी कोई समाधान नहीं निकल रहा है। यही वजह है कि अब अपने अधिकारों के लिए इस तरह हड़ताल करनी पड़ रही है।

डॉ. गुर्जर ने बताया कि भोजनावकाश के दौरान जितना भी वक्त मिलेगा, डॉक्टर उस दौरान एम्स परिसर में विरोध कर रहे हैं। उन्होंने सायं करीब 7.40 बजे बताया कि इसमें पेशेंट को भी शामिल कर लिया गया है। उन्हें बताया जा रहा है कि हम आंदोलन क्यों कर रहे हैं।

सेवा करने की शिक्षा सूर्य से लेनी चाहिए, जो हमेशा नित्य-प्रतिदिन संसार को रोशन करने के लिए प्रकट हो जाता है -अज्ञात

''अतिथि देवो भवः'

फतेहपुर सीकरी में अकबर का महल था। यहीं पर सूफी संत सलीम चिश्ती की दरगाह भी है। यानी बेहद शालीन शहर में कुछ बदमाशों-गुंडों ने जिस तरह से स्विस पर्यटकों की खतरनाक तरीके से मार-पिटाई की है, वह न तो इस शहर के मिजाज से मेल खाता है और न भारत के ''अतिथि देवो भव:' के पुरातन संस्कार से। ऐसी घटनाएं बताती है कि देश में खासकर उत्तर प्रदेश में अभी भी विदेशी पर्यटकों को न तो हिफाजत मिली हुई है न सहूलियत। जो कि सबसे जरूरी चीज है। दुखद तय यह भी कि खून से लथपथ विदेशी जोड़ा जिस वक्त असहाय सा था, लोग उनकी मदद करने के बजाय वीडियो बनाने में मशगूल थे। क्या हमारी समृद्ध परंपरा, मेहमानवाजी का बिंदासपन और सबसे बढ़कर दूसरों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहने वाली नैतिक ताकतों का क्षरण होता जा रहा है। स्विस पर्यटक जोड़े के साथ जो कुछ भी हुआ है, वह कहीं से भी अच्छा संकेत नहीं है। न तो पर्यटन के लिहाज से, न देश की छवि के लिहाज से और न रोजगार और राजस्व के लिहाज से। जबकि भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। इसका सकल राष्ट्रीय घरेलू उत्पाद में 6.23 फीसद और भारत के कुल रोजगार में 8.78 फीसद का योगदान है। और इस तरह की अशोभनीय और गिरी हुई हरकत से हर तबका और सेक्टर को नुकसान होगा। जहां एक तरफ सरकार देश को पर्यटन गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने का प्रयास करने में यकीन रखती है और उसके लिए संजीदा है, ऐसी घटना सिर्फ-और-सिर्फ नुकसान ही पहुंचाएगी। इस नाते सबसे पहले कानून-व्यवस्था के स्तर पर अगर कहीं लापरवाही दिखती है तो उसे दुरुस्त किया जाना बेहद आवश्यक है। साथ ही ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान रखना और फास्ट ट्रैक अदालत का गठन कर मामले का त्वरित निष्पादन बेहतर कदम हो सकता है। यानी कुल मिलाकर पर्यटकों में भरोसा बहाल करना कारगर कदम हो सकता है। देश में और भी कई राज्य हैं जहां विदेशी पर्यटकों के खिलाफ बिल्कुल भी अपराध नहीं होते हैं। खासकर गोवा और पूर्वोत्तर के राज्य। यहां तक कि झारखंड और उत्तराखंड में भी हिंसा की वारदात न के बराबर है। सरकार को इन राज्यों से भी सीखने की जरूरत है। वहीं जनता को भी नैतिक तौर पर मजबूत होना होगा, तभी ''अतुल्य भारत' का सपना पूरा हो पाएगा।

आस्था का पव

आस्था का पर्व छठ इन पंक्तियों के लिखे जाने तक संपन्न हो चुका है। बहत्तर घंटे से भी ज्यादा देर की अनवरत साधना की समयसीमा समाप्त हो चुकी है। अब अगले साल यह पर्व फिर आएगा और ताज्जुब नहीं होना चाहिए कि पहले से कई गुना ज्यादा वेग से इस महापर्व की लोग अगवानी करेंगे, उसकी पालकी (दौरा, सूप, गुड़ से पके पकवान, गन्ना) ढोएंगे, उसकी थाल सजाएंगे, नदियों, पोखरों और तालाबों में कमर तक घुस कर दोनों वक्त की सूयरेपासना करेंगे, सूरज से कहेंगे-यह सब कुछ तुम्हारा है..तेरा तुझको अर्पण। हर साल इसके गुण ग्राहकों की संख्या गुणात्मक ढंग से बढ़ती क्यों जा रही है? क्या वजह है कि लगभग पचासेक साल पहले जो पर्व बिहार और उसके सीमावर्ती पूर्वी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण हलकों तक सीमित था, वह देश की हदें लांघ कर फिज़ी, सूरीनाम, मारीशस, यहां तक कि अमेरिका और ब्रिटेन जा पहुंचा है-हू-ब-हू उसी पैटर्न के साथ? कौन है इसका संवाहक? बहुत ठीक से समझ लेना होगा कि इसकी संवाहक लड़कियां हैं। वे जहां गई, इसे अपने साथ लेती गई। वही लड़कियां जिन्हें सनातनधर्मी, कर्मकांडी और वेदपाठी ताकतें लड़कों के मुकाबले हर हाल में कमतर आंकती हैं। एक तरफयह पर्व कर्मकांड का घनघोर निषेध करता है तो दूसरी ओर यह पुरु ष वर्चस्व के तिलिस्म को भी तोड़ता है। यह हिन्दी जनपद का इकलौता पर्व है जहां सूर्य दोहरी भूमिका में होता है। वह ''सूरुज देव' भी होता है और ''छठ मइया' भी। विराट अर्थो में देखें तो यह लैंगिक समानता का पर्व है, जिसकी जड़ों का हिन्दी पट्टी के नारी समाज की अन्तश्चेतना तक पर कब्जा है। जब तक यह समाज रहेगा, जब तक इसकी रफ्तनी रहेगी, इस महापर्व की महत्ता लगातार बढ़ती रहेगी क्योंकि यहां कोई पंडित-पुरोहिताई का टोटका, कोई लटका-झटका है ही नहीं। यहां विशुद्ध रूप से प्रकृति है, उसके उपादान हैं, फल-फूल हैं, प्रकृति के साथ बने रहने की जिद है, सूरज से ताकत लेने की बेचैनी है और इस ग्रहण की हुई ताकत के जरिये जिंदगी की जद्दोजहद से जूझने की अपरंपार लालसा है। इससे भी बड़ी बात यह कि इस पूरी कवायद के नाभि केंद्र में वह औसत आदमी है जिसे रोज कोई-न-कोई महासमर लड़ना और हर बार बच निकलना होता है-सारे दन्द-फन्द की जाल काटते हुए। इसकी हदें मानव मात्र तक ही हों, ऐसा भी नहीं हैं। वे समस्त प्राणी जगत तक जाती हैं। उनके कल्याण की कामना करती हैं। चर-चराचर में जो भी है, वह सलामत रहे- ऐसी उदात्त कामना का त्योहार भला और कहां मिलेगा?

सत्संग

मनोविश्लेषण स्मृति

पश्चिमी दृष्टिकोण है समस्या के बारे में सोचना, समस्या के कारण ढूंढना, समस्या के इतिहास में जाना, समस्या के अतीत में जाना, समस्या को बिल्कुल जड़ से उखाड़ना, दिमाग के संस्कारों को खत्म करना, या दिमाग को पुन: अनूकुलित करना, शरीर को पुन: अनूकुलित करना, उन सभी चिह्नों को दूर करना जो दिमाग पर छूट गए हैं। यह पश्चिमी दृष्टिकोण है। मनोविश्लेषण स्मृति में जाता है; वहां काम करता है। यह तुम्हारे बचपन में जाता है, तुम्हारे अतीत में; यह पीछे की ओर गति करता है। यह ढूंढता है कि समस्या कहां से शुरू हुई थी। हो सकता है पचास साल पहले, जब तुम एक बच्चे थे, तुम्हारी समस्या तुम्हारी मां के साथ हुई थी। तब मनोविश्लेषण पीछे जा सकता है। पचास साल का इतिहास! यह बहुत लंबा घिसटता हुआ काम है। और तब भी शायद यह ज्यादा मदद नहीं करता क्योंकि समस्याएं लाखों हैं। यह एक समस्या का सवाल नहीं है। तुम एक समस्या के इतिहास में जा सकते हो, तुम अपनी आत्मकथा में देख सकते हो और कारणों को खोज सकते हो और शायद तुम एक समस्या को हल कर सकते हो, लेकिन लाखों समस्याएं हैं। एक जन्म की समस्याओं को हल करने के लिए यदि तुम हर समस्या में जा कर काम करना शुरू करोगे तो तुम्हें लाखों जन्मों की जरूरत पड़ेगी। यह बेवकूफी भरा है! अब, वही मनोविश्लेषण का दृष्टिकोण शरीर में प्रवेश कर चुका है: रोल्फिंग, बायो-एनर्जेटिक्स, और अन्य तरीके हैं जोकि शरीर से, मांसपेशियों से चिह्नों को मिटाने की कोशिश करते हैं। फिर से, तुम्हें शरीर के इतिहास में जाना होगा। लेकिन दोनों दृष्टिकोणों में एक चीज सुनिश्चित है, उनका सोचने का एक जैसा तर्कपूर्ण तरीका, कि समस्या अतीत से आती है, इसलिए इससे अतीत में निबटना होगा। पूरब का तरीका बिल्कुल अलग है। पहला, वह कहता है कोई समस्या गंभीर नहीं है। जिस क्षण तुम कहते हो कि समस्या गंभीर नहीं है, समस्या करीब करीब निन्यानबे प्रतिशत खत्म हो जाती है। इसके बारे में तुम्हारा संपूर्ण दृष्टिकोण बदल जाता है। दूसरी चीज पूरब कहता है, समस्या इसलिए है क्योंकि तुमने इसके साथ तादात्म्य किया है। इसका अतीत से कोई लेना-देना नहीं है, इतिहास से कोई लेना-देना नहीं है। तुमने इसके साथ तादात्म्य बनाया है; यही असली चीज है। और यह सभी समस्याओं को सुलझाने की कुंजी है।

शी जिनपिंग का एक नई शक्ति

शी जिनपिंग ने अपने 5 विश्वस्त मित्रों का चयन स्टैंडिंग समिति में कर लिया है। उत्तराधिकारी का चयन नहीं होना, कई महत्वपूर्ण बातों की विवेचना करता है। पहली, शी जिनपिंग तीसरी बार भी राष्ट्रपति बनने के मूड में हैं। किसी भी सदस्य का कद इतना बढ़ा नहीं है कि शी जिनपिंग को चुनौती दे सके। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि शी जिनपिंग अपने जीवनकाल में ही ऐतिहासिक पुरुष हो गए हैं। राष्ट्रपति के रूप में एक राजनीतिक चिंतक और सिद्धांत प्रतिपादक के रूप में स्थापित हो गए हैं। इसके पहले केवल माओ त्से तुंग को यह उपलब्धि प्राप्त थी।

सतीश पेडणोकर

चीन की दूसरी आंतरिक मुसीबत है धनवान और गरीबों के बीच अंतर। उत्तर और दक्षिण चीन में इस लिहाज से खासा अंतर है। यह सब कुछ शी जिनपिंग के लिए संभालना आसान नहीं होगा। माओ त्से तुंग सिद्धांत प्रतिपादक नेता थे। देंग ने चीन को नया जीवन दिया। चीन में आर्थिक समृद्धि देंग की नीतियों के कारण से आई। शी जिनपिंग के सिद्धांत जमीन पर खरा होने शेष हैं। अभी तक उनकी सोच सिद्धांत में नहीं बदल पाई है। उनका दूसरा कार्यकाल यकीनन बेहद महत्त्वपूर्ण होगा त्रीसवीं कांग्रेस के समापन के साथ शी जिनपिंग का आगाज नये अवतार में हुआ है। दरअसल, यह बात चौंकाने वाली नहीं है। इसकी संभावना पूरी थी कि शी जिनपिंग का एक नई शक्ति के साथ पदार्पण होगा। वह पिछले दो वर्षो में अपने चिर-परिचित प्रतिद्वंद्वियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा चुके हैं। चीन में माहमारी की तरह पसरे बेतरतीब भ्रष्टाचार पर अंकुश डालने की वजह से भी जिनपिंग की लोकप्रियता काफी बढ़ गई थी। कांग्रेस का महासम्मेलन पांच वर्षो के अंतराल पर होता है, और इसलिए इस बार का महासम्मेलन पांच साल बाद हुआ था। इसमें इस बार 2800 प्रतिनिधियों ने शिरकत की। दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल, जिसके 89 मिलियन सदस्य हैं, के 2800 प्रतिनिधियों ने 25 पोलित ब्यूरो का चयन किया। तदोपरांत सात सबसे मजबूत राजनीतिक इकाइयों, जिन्हें स्टैंडिंग समिति कहा जाता है, का गठन किया गया। 19वीं महासभा कई रूपों में निराली थी। राष्ट्रपति शी जिनपिंग को दूसरी बार राष्ट्रपति के रूप में चुन लिया गया। इस बात की उम्मीद भी पूरी थी। चूंकि अभी तक चीन की राजनीतिक परम्परा रही है कि 5 वर्षो बाद राष्ट्रपति का उत्तराधिकारी चुन लिया जाता है। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। शी जिनपिंग ने अपने 5 विश्वस्त मित्रों का चयन स्टैंडिंग समिति में कर लिया है। उत्तराधिकारी का चयन नहीं होना, कई महत्वपूर्ण बातों की विवेचना करता है। पहली, शी जिनपिंग तीसरी बार भी राष्ट्रपति बनने के मूड में हैं। किसी भी सदस्य का कद इतना बढ़ा नहीं है कि शी जिनपिंग को चुनौती दे सके। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि शी जिनपिंग अपने जीवनकाल में ही ऐतिहासिक पुरुष हो गए हैं। राष्ट्रपति के रूप में एक राजनीतिक चिंतक और सिद्धांत प्रतिपादक के रूप में स्थापित हो गए हैं। इसके पहले केवल माओ त्से तुंग को यह उपलब्धि प्राप्त थी, जिनका वर्णन चीन के संविधान में है। देंग की चर्चा भी उनके मरने के बाद हुई। शी जिनपिंग ने जीते जी अपना नाम पार्टी संविधान में अंकित करवा लिया। चीन विद्यालयों और महाविद्यालों में शी जिनपिंग के विचारों को पढ़ा जाएगा। माक्सवाद को नया आयाम देने वालों में माओ की चर्चा राजनीतिक विज्ञान की पुस्तकों में होती है. देश और दुनिया के कई हिस्सों में क्रांतिकारी परिवर्तन माओ के तर्ज पर होता रहा है। भारत में माओवादी क्रांति माओ त्से तुंग की सोच पर ही चलाईजाती है। शी जिनपिंग के विचारों के मुख्य अंश क्या हैं? शी जिनपिंग ने चीनी समाजवाद की अलग व्याख्या की है। उन्होंने कहा कि चीन का प्रारूप अलग है। शी जिनपिंग तीसरे चरण की र्चचा करते हैं। पहला चरण माओ का क्रांतिकारी युग था। दूसरा चरण देंग का परिवर्तनवादी चरण था। तीसरा चरण दोनों का मिशण्रहै। शी जिनपिंग की मानें तो चीन एक ऐसा देश है, जो आर्थिक रूप से मजबूत है, और सामरिक-सैनिक शक्ति की ऊचांइयों पर बैठा हुआ है। शी जिनपिंग चीन प्रथम की भी बात करते हैं अर्थात चीन में सब कुछ पार्टी के द्वारा ही तय किया जाएगा। इसका मतलब यह हुआ कि चीन में बाजारोन्मुखी परिवर्तन पर अंकुश लगाया जाएगा। बाजारोन्मुखी परिवर्तन बना रहेगा। शी जिनपिंग की सोच ''चीन पहले' का अर्थ यह भी है कि विदेशों में रहने वाले चीनियों को वापस बुलाया जा सकता है। ऐसा होना संभव नहीं लगता। इसका विरोध भी होगा। तीसरा महत्त्वपूर्ण तत्व चीन की सियासी शक्ति में इजाफे को लेकर है। हांगकांग पिछले साल राजनीतिक विद्रोह का शिकार रहा। एक देश दो व्यवस्था को लेकर खूब बवाल हुआ। शी

जिनपिंग इस व्यवस्था को बदल देना चाहते हैं। केवल एक सिस्टम होगा। शी जिनपिंग तिब्बत के मसले पर भी उग्र हैं। उनकी नजर में दलाई लामा देशद्रोही हैं, जो भी देश उनके संपर्क में है, वो चीन का दुश्मन है। भारत के साथ 70 दिनों की टशन के बाद चीन का वक्तव्य भारत के लिए चुनौती है। चीन की विदेश नीति पहले से ही दुनिया के लिए पहेली से काम नहीं है। शी जिनपिंग की सोच में भारत चीन का सबसे प्रबल प्रतिद्वंदी है। इस विचार की आड़ में एक ऐसी सोच को विकसित किया जाता है, जिसकी समझ जरूरी है। शी जिनपिंग एक मजबूत नेता हैं। भारत में भी एक महत्वपूर्ण नेतृत्व है। आने वाले समय में स्थिति विकट बन सकती है। भारत, जापान और अमेरिका का त्रिगुट चीन के लिए चिंता का कारण है। चूंकि शी जिनपिंग की विदेश नीति इसी बात पर तिकी हुई है कि इस त्रिगुट को कैसे तोड़ा जाए इसलिए शी जिनपिंग का सिद्धांत इस बात की विवेचना करता है कि आने वाले समय में चीन दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश होगा। विश्व राजनीति उसके इर्द गिर्द घूमेगी। दक्षिण चीन सी इसका महत्वपूर्ण आयाम है। शी जिनपिंग 2022 में होने वाले सम्मलेन में संभवत: तीसरी बार राष्ट्रपति चुने जाएंगे क्योंकि उन्होंने पूरब की परम्परा को तोड़ने की बात कही है। जिआंग जमीन और हु जनता ने दो टर्म के बाद सत्ता को छोड़ दिया। लेकिन शी जिनपिंग का मकसद कुछ और है। शी जिनपिंग के सामने भी कई चुनौतियां हैं। उत्तरी कोरिया चीन के लिए सरदर्द बना हुआ है। चीन के भीतर अल्पसंख्यक समुदायों के विरोध प्रदशर्न भी चल रहे हैं। तिब्बती समुदाय ने शी जिनपिंग की नीतियों की आलोचना की है। किसी भी नेता के लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है कि वो अपने जिन्दा रहते हुए ऐतिहासिक हो जाए। उसके सिद्धांतों की र्चचा पुस्तकों में हो, बच्चे उनको पढ़ें और दुनिया में उनकी डंका बजे। चीन में आर्थिक संपनता के साथ बौद्धिक उग्रता बढ़ती जा रही है। इसी साल नोबेल लरेट के मरने पर चीन में खूब हंगामा हुआ। चीन की दूसरी आंतरिक मुसीबत है धनवान और गरीबों के बीच अंतर। उत्तर और दक्षिण चीन में इस लिहाज से खासा अंतर है। यह सब कुछ शी जिनपिंग के लिए संभालना आसान नहीं होगा। माओ त्से तुंग सिद्धांत प्रतिपादक नेता थे। देंग ने चीन को नया जीवन दिया। चीन में आर्थिक समृद्धि देंग की नीतियों के कारण से आई। शी जिनपिंग के सिद्धांत जमीन पर खरा होने शेष हैं। अभी तक उनकी सोच सिद्धांत में नहीं बदल पाई है। उनका दूसरा कार्यकाल यकीनन बेहद महत्त्वपूर्ण होगा।

चलते चलते

नाक में दम

> जनाब खुद ही अदालत भी पहुंच गए। पाला बदल करने और अपनी पार्टी में शामिल होने के लिए, केसरिया पार्टी ने एक करोड़ रुपया देने की पेशकश की थी। दस लाख रुपये पेशगी दे भी दिए थे। बाकी नब्बे लाख बाद में दिए जाने थे। जनाब कहते हैं-यह तो घूसखोरी हुई। इसकी जांच कराई जानी चाहिए और मुकदमा चलाया जाना चाहिए! पटेल साहब की शिकायत हमें बिल्कुल वाजिब नहीं लगती।

ये तो नरेन्द्र पटेल की सरासर ज्यादती है। पाटीदार आंदोलन के नेताओं में होने का मतलब यह थोड़े ही है कि केसरिया पार्टी की नाक में इस तरह दम कर दिया जाए। जनाब खुद ही अदालत भी पहुंच गए। पाला बदल करने और अपनी पार्टी में शामिल होने के लिए, केसरिया पार्टी ने एक करोड़ रुपया देने की पेशकश की थी। दस लाख रुपये पेशगी दे भी दिए थे। बाकी नब्बे लाख बाद में दिए जाने थे। जनाब कहते हैं-यह तो घूसखोरी हुई। इसकी जांच कराई जानी चाहिए और मुकदमा चलाया जाना चाहिए! पटेल साहब की शिकायत हमें बिल्कुल वाजिब नहीं लगती। वैसे हमें तो केसरिया पार्टी से पटेलों की कोई भी शिकायत वाजिब नहीं लगती है। मोदी जी पटेलों के सरदार की ही तो दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति बनवा रहे हैं। अपने मेक इन इंडिया को बैक देकर, मेड इन चाइना ला रहे हैं। पाटीदार फिर भी खुश नहीं हैं। मरता क्या न करता, बेचारे केसरिया वालों को फुटकर में पाटीदार आंदोलन के नेताओं को खुश करना पड़ रहा है। पर शरीफाना पार्टी की दोनों तरह से मौत है। खुश नहीं करें तो इसकी शिकायत की पाटीदारों की कोई सुनवाई नहीं है। खुश करें तो नरेन्द्र पटेल का स्टिंग ऑपरेशन। पाला बदलने की पेशगी भी ले ली और उसके बाद फिर पलट गए। दस लाख रुपये भी मार लिये और खरीद-फरोख्त का इल्जाम भी लगा दिया। उस पर तुर्रा यह कि उन्होंने तो स्टिंग ऑपरेशन किया था, खरीद-फरोख्त को बेपर्दा करने के लिए। स्टिंग ऑपरेशन से और कुछ हो न हो, निखिल सवानी तो इसके स्टिंग में अटक ही गए। हफ्ते-दो हफ्ते पहले ही पाटीदार पाला टापकर केसरिया पाले में आए थे, अब फिर पाला टापकर अपने पहले पाले में चले गए। बहाना यह कि ये तो करोड़-करोड़ रुपये देकर बंदे खरीद रहे हैं। शिकायत ये कि गुजरात में एक करोड़ का रेट है, तो मुझे ही सस्ता क्यों समझ लिया? बाजार भाव की यही प्राब्लम है। एक बार ओपन हो जाए, उसके बाद उससे कम पर कोई सौदा नहीं करता। केसरिया भाइयों को मुसीबतें और भी हैं, पटेलों की मुसीबत के सिवा। नोटबंदी है। जीएसटी है। अल्पेश है। जिग्नेश है। पब्लिक है। पर हां! शाह-जादे का कोई जिक्र नहीं है।

मुद्दा

जीएसटी और नोटबंदी

मिल फिल्म ''मर्सल' बीजेपी के निशाने पर है। बीजेपी, फिल्म में जीएसटी और नोटबंदी के विरोध वाले डायलॉग को हटाने की मांग कर रही है। तमिलनाडु के बीजेपी अध्यक्ष तमिलसाई सुंदरराजन का कहना है कि इससे समाज में गलत संदेश फैल रहा है। केंद्रीय मंत्री पोन राधाष्णन इससे भी आगे बढ़ गए उनका कहना है कि फिल्म निर्माता, ''मर्सल' से जीएसटी के बारे में दी गई ''गलत' जानकारी को हटा दें। सिनेमा के माध्यम से गलत जानकारियों को नहीं फैलाया जाना चाहिए। बीजेपी जहां इस फिल्म का विरोध कर रही है, तो दूसरी ओर कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी, पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम और शशि थरूर ने ''मर्सल' में जीएसटी के विरोध वाले डायलॉग हटाने की बीजेपी की मांग पर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि सरकार आजाद आवाजों का दम घोंट रही है। एटली निर्देशित ''मर्सल' 18 अक्टूबर को रिलीज हुई थी। फिल्म में मुख्य अभिनेता के रूप में तमिल सुपरस्टार विजय हैं। फिल्म आम फिल्मों की ही तरह बदले की कहानी है और देश के चिकित्सा क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में जीएसटी, डिजिटल पेमेंट और भ्रष्ट चिकित्सा व्यवस्था पर सवाल उठाए गए हैं। फिल्म के संवादों में एक जगह हीरो कहता है कि सिंगापुर में सिर्फ फीसद ही जीएसटी लगता है, जबकि भारत में जीएसट फीसद से 28 फीसद तक लगता है। फिल्म में एक जगह सवाल उठाया गया है कि सरकार हमें मुफ्त में इलाज और दवा क्यों नहीं मुहैया कराती? सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन के सिलेंडर नहीं होते, जिससे लोगों की जान चली जाती है। मध्य प्रदेश के इंदौर और उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में ऑक्सीजन न होने की वजह से हाल ही में हुई बच्चों की मौतों को भला कौन झुठला सकता है? मीडिया के जरिये ये बातें सारा देश जान चुका है। दक्षिण की फिल्मों के सुपर स्टार रजनीकांत, कमल हासन और शरत कुमार ने फिल्म के इस सीन को बहुत बढ़िया बताया है। सोशल मीडिया पर फिल्म के समर्थन में संदेशों की बाढ़ आ चुकी है। ''प्रोड्यूसर्स गिल्ड अफइंडिया' ने फिल्म ''मर्सल' के निर्माताओं को अपने विचारों को स्वतंत्रतापूर्वक अभिव्यक्त करने की अनुमति देने के लिए सेंसर बोर्ड की सराहना की है। नेता-अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने भी ''मर्सल' के विरोध को बेतुका बतलाया है। उनका कहना है कि ''कुछ लोग जीएसटी का समर्थन करते हैं और कुछ विरोध। इसी तरह कुछ लोग नोटबंदी का समर्थन करते हैं और कुछ विरोध। इसका मतलब यह नहीं है कि इनकी आलोचना करने वाले देश विरोधी हैं।' सरकार की आर्थिक नीतियों पर तो बीजेपी के वरिष्ठ नेता यशवंत सिन्हा, अरुण शौरी ने भी सवाल उठाए हैं। क्या उन्हें देश विरोधी कहा जा सकता है? फिल्म पर जब ज्यादा बात बढ़ गई, तो बीजेपी ने हमेशा की तरह इस मुद्दे को सांप्रदायिक रंग देना शुरू कर दिया है। बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव एच. राजा अब अभिनेता विजय के ईसाई मूल को उठा रहे हैं। उन्होंने ट्विट करते हुए लिखा है कि ''फिल्म ''मर्सल' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति जोसफ विजय की नफरत जाहिर करती है।' जबकि इस बात में जरा सी भी सच्चाई नहीं है। फिल्म की कहानी और स्क्रिप्ट में अभिनेता की कोई भूमिका नहीं होती। उसे जो भी तैयार स्क्रिप्ट मिलती है, वह उसे सिर्फ अदा करता है। मनोरंजन के साथ संदेश जरूर होता है। यह अलग बात है कि कुछ संदेश सरकार या सत्ताधारी पार्टी को पसंद आते हैं, तो कुछ नहीं! ''मर्सल' फिल्म में जो संदेश है, वह सत्ताधारी पार्टी को रास नहीं आ रहा। जिस फिल्म को सेंसर बोर्ड अपनी मंजूरी दे चुका हो, उस पर पाबंदी की मांग करना किसी भी लिहाज से ठीक नहीं। यदि फिर भी किसी को यह फिल्म पसंद नहीं आई तो वह अदालत का दरवाजा खटाखटा सकता है। लेकिन तोड़-फोड़ और हंगामा करके वे फिल्म पर पाबंदी नहीं लगा सकते। इस तरह की हरकतें, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। सरकार और सत्ताधारी पार्टी के लोग लाख चाहें, मगर सच को डंडे के जोर से दबा नहीं सकते।

चुनाव सुधार पर ठोस पहल का वक्त

आभा स्वामी

सुप्रीम कोर्ट के समक्ष इस वक्त सांसदों और विधायकों के मामलों से जुड़ी दो जनहित याचिकाएं लंबित हैं। इन याचिकाओं में मांग की गई है कि चुनाव लड़ते समय दायर किए जाने वाले हलफनामे में दी गई जानकारियां यदि गलत पाई जाएं तो चुनाव बाद उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इनमें उनके द्वारा घोषित संपत्ति और देनदारी के अलावा आपराधिक ब्योरे जैसे पहलुओं को शामिल किया गया है। साथ ही आय से अधिक संपत्ति के पैमाने को भी जोड़ा गया है। इनमें से एक मामला 'लोक प्रहरी नाम की गैरसरकारी संस्था यानी एनजीओ ने दायर किया है। इसमें याचिकाकर्ता की दलील है कि शपथपत्र दाखिल करते समय केवल संपत्ति की घोषणा ही काफी नहीं है। उसका कहना है कि प्रत्येक प्रत्याशी के लिए आमदनी के स्रोत का उल्लेख भी अनिवार्य बनाया जाए, क्योंकि दो चुनावों के दौरान तमाम सांसदों व विधायकों की संपत्ति में कई गुने का इजाफा देखने को मिलता है। उसने अदालत को बताया कि 2014 में लोकसभा के लिए पुन: चुने गए 320 सांसदों की संपत्ति में 100 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। इनमें से भी छह सांसदों की संपत्ति में तो 1000 फीसदी की हैरतअंगेज उछाल दिखी और 26 सांसदों की संपत्ति 500 प्रतिशत तक बढ़ी। इस दौरान अन्य तमाम विधायकों की धन-संपदा में अप्रत्याशित उछाल देखने को मिली। इन सांसदों/विधायकों की संपत्ति की जांच करने के बाद आयकर अधिकारियों ने अदालत को बताया कि सात सांसदों और 98 विधायकों की संपत्ति उनके चुनावी हलफनामे में उल्लिखित आमदनी से अधिक पाई गई। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि सांसदों और विधायकों से जुड़े आय से अधिक संपत्ति के मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए विशेष अदालतें गठित की जानी चाहिए। दूसरे मामले में याचिकाकर्ता ने कहा कि भले ही शीर्ष अदालत ने ये सुनिश्चित कराया हो कि शपथपत्र में प्रत्याशी संपत्ति व देनदारी, शैक्षणिक योग्यता और आपराधिक ब्योरे का उल्लेख करें, लेकिन उसमें किए गए दावों की सत्यता की पुष्टि के लिए कोई तंत्र नहीं है। साथ ही गलत हलफनामे दाखिल करने वालों को सजा देने के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं है। याचिकाकर्ता ने कहा कि यह चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की शीर्ष अदालत की कोशिशों का ही नतीजा है कि प्रत्याशियों के लिए तमाम तरह की जानकारियां देना अनिवार्य हो गया है, लेकिन उन जानकारियों को परखने की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। इसकी सख्त जरूरत है। इस पर अदालत ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। इन दो मामलों में आने वाले फैसले ही तय करेंगे कि हम चुने हुए जनप्रतिनिधियों को कानूनों के प्रति किस हद तक जवाबदेह बना पाएंगे? इस मामले में सबसे पहले विधि आयोग ने कदम उठाए थे जब चुनाव सुधारों पर 1999 में पेश अपनी 170 पन्नें की रिपोर्ट में उसने कहा था कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में निश्चित रूप से संशोधन किया जाए और उसमें संपत्ति, देनदारी और आपराधिक ब्योरे से जुड़ा हलफनामा दायर करना अनिवार्य बनाया जाए। ब्योरा, उनकी संपूर्ण चल-अचल संपत्ति के ब्योरे के साथ ही सभी सरकारी व सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों की देनदारी का उल्लेख करना भी अनिवार्य है। प्रत्याशी को अपने पेशे, व्यवसाय और शैक्षिक अर्हताओं की जानकारी देना भी जरूरी है। चुनावी मोर्चे पर पारदर्शिता लाने के लिहाज से सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला क्रांतिकारी सुधार का सूत्रपात करने वाला रहा।

सरकारी प्राइमरी स्कूलों के 4570 शिक्षक हो सकते हैं बर्खास्त

लखनऊ। यूपी में फर्जी अंकपत्रों के सहारे सरकारी प्राइमरी स्कूलों में शिक्षक के पद पर भर्ती हुए 4570 की बर्खास्तगी तय है। इन शिक्षकों ने डा. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा से बीएड के फर्जी डिग्री हासिल की थी। एसआईटी की जांच में इसका खुलासा हुआ है। इन शिक्षकों की सूची जिलों को भेज दी गई है।

इन शिक्षकों ने उपरोक्त विवि से 2004-05 में बीएड की डिग्री हासिल की थी। बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव राज प्रताप सिंह ने बताया कि महाविद्यालयवार फर्जी व टेम्पर्ड छात्र-छात्राओं की नामवार सूची विभाग को मिल गई है, जिसे सभी जिलों को भेज दिया गया है। जिलों में शिक्षकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एनसीटीई ने डा. भीमराव अम्बेडकर विवि आगरा को 2004-05 में बीएड के लिए 8 2 महाविद्यालयों के 8150 छात्रों के प्रवेश की अनुमति दी गई थी। लेकिन टैबुलेशन चार्ट में 84 महाविद्यालयों के 12472 छात्रों के परिणाम अंकित हैं जबकि वहां के कागजों में 8030 छात्रों के प्रवेश ही अंकित थे। इनमें केहरीमल गौतम स्मारक महाविद्यालय, नगला सरुआ अलीगढ़ और जयमूर्ति कॉलेज, नगला बाल सिरसागंज, फिरोजाबाद को बीएड सत्र संचालित करने के लिए न तो मान्यता दी गई और न ही सम्बद्धता। इसके बावजूद यहां से ऊंचे प्राप्तांकों वाली 147-147 फर्जी अंकतालिकाएं जारी कर दी गईं। इसे विवि ने अपने टैबुलेशन चार्ट में भी दिखाया है। एसआईटी की टीम ने विवि से छात्रों की जो मार्क्स फाइल बरामद की उससे 8899 छात्रों के अंकों का टैबुलेशन चार्ट में अंकित अंकों से मिलान किया गया तो उसमें 1053 छात्रों के अंकों में टेंपरिंग यानी अंक वृद्धि करना पाया गया। इनकी दूसरी व तीसरी श्रेणी को बदल कर प्रथम में करते हुए 80 से 82 फीसदी तक नंबर दिए गए।

मरा समझ जिसका कर दिया अंतिम संस्कार, वह 12 साल बाद घर लौटा!

महराजगंज। तकदीर का भी खेल अजब निराला है। जिस शख्स को मरा समझ परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया वह शुक्रवार को 12 साल बाद वापस घर लौट आया। हिमांचल प्रदेश की पुलिस नाम-पता बताने पर उपेन्द्र पटेल नाम के युवक को घर लाकर सुरक्षति पहुंचाई। इस पर परिजन खुश हैं तो पूरा गांव अचंभित।

सदर कोतवाली के पिपरा कल्याण गांव निवासी गुलाब दास के चार पुत्रों में सबसे छोटा उपेन्द्र पटेल उर्फ गुड्डू 12 वर्ष पहले अचानक घर से गायब हो गया। माता-पिता की पहले मौत हो चुकी थी। बड़े भाई मोहनलाल पंजाब व मझला भाई शैलेश ससुराल में रहता है। तीसरा भाई राजेन्द्र घर की खेती-बाड़ी संभालता है। परिजनों के मुताबिक उपेन्द्र शुरू से ही मंदबुद्धि है। मानसिक संतुलन ठीक नहीं होने से 12 वर्ष पहले घर छोड़ कर कहीं चला गया। परिजन उसे बहुत ढूंढ़े, लेकिन कहीं पता नहीं चला। ऐसे में उपेन्द्र को मरा समझ तीन साल बाद यानी आज से नौ साल पहले पुतला बनाकर दाह संस्कार कर दिया।

अयोध्या में शुरू हुई 14 कोसी परिक्रमा

अयोध्या। कार्तिक शुक्ल नवमी के पर्व पर शनिवार को अपरान्ह 12:55 बजे के निर्धारित मुहूर्त पर रामनगरी की 14 कोसी परिक्रमा शुरू हुई। इस परिक्रमा में पुण्यार्जन के लिए देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु शामिल होने अयोध्या पहुंचे हैं। यह परिक्रमा रविवार को पूरे दिन चलेगी। परिक्रमा में मेलार्थियों की सुरक्षा के लिए जल-थल-नभ में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये गये हैं। परिक्रमा पथ पर प्रभु श्रीराम-जानकी और हनुमान जी जयकारे लगाते हुए श्रद्धालु उत्साह के साथ आगे बढ़ रहे हैं। तमाम श्रद्धालु सरयू नदी में स्नान कर परिक्रमा करने के लिए चले। मेलाधिकारी व एडीएम सिटी विंध्यवासिनी राय नें बताया कि पूरे परिक्रमा पथ को पांच जोन व आठ सेक्टरों में बांट कर जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। पूरे परिक्रमा पथ पर 39 मजिस्ट्रेटों के अलावा सुरक्षा अधिकारियों की तैनाती की गई है। जिसमें एडिशनल एसपी व डीएसपी की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त इन्सपेक्टर, सब इन्सपेक्टर, आरक्षी व महिला आरक्षी की तैनाती की गई है। जिला मजिस्ट्रेट अनिल कुमार पाठक व वरिष्ट पुलिस अधीक्षक सुभाष सिंह स्वयं सुरक्षा व्यव-स्था की मानिटरिंग कर रहे हैं।

दर्दनाक: ट्रैक पर बैठे बेटे को बचाने गया पिता, दोनों की ट्रेन से कट कर मौत

कन्नौज। कन्नौज में कानपुर-फर्रुखाबाद रेल रूट पर बाप-बेटे की ट्रेन से कट कर दर्दनाक मौत हो गई। हादसा गुरसहायगंज के करीब रामाश्रम पुल के ऊपर रेल ट्रैक पर हुआ। अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं साले ने पुल के ऊपर ट्रैक से कूद कर अपनी जान बचाई। गंभीर रूप से घायल साले को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शनिवार की सुबह अमारौली निवासी रावेन्द्र सक्सेना का बेटा नितिन घर से स्कूल के लिए निकला था लेकिन स्कूल नहीं गया। रावेन्द्र उसकी तलाश में निकला था, उसके साथ में साला अमन भी था। नितिन उनको रेल ट्रैक पर दिखाई पड़ा। उसके पास पहुंचने के लिए रावेन्द्रव मामा अमन ट्रैक पर चले गए। काली नदी पुल के ऊपर ट्रैक पर रावेन्द्र व अमन पहुंचे तो सामने से धड़ धड़ाती हुई अहमदाबाद-गारेखपुर एक्सप्रेस (19409) आ गई। अमन ने कूद कर किसी तरह अपनी जान बचाई लेकिन नितिन और रावेन्द्र ट्रेन की चपेट में आकर कट गए।

ड्राइवर-गार्ड शवों को ट्रेन से गुरसहायगंज ले गए

घटना के बाद कुछ आगे ट्रेन रुकी, ट्रेन ड्राइवर व गार्ड ने मानवता दिखाते हुए दोनों शवों को ट्रेन से गुरसहायगंज स्टेशन तक ले गए। गार्ड ने मेमो स्टेशन मास्टर को दिया।

लेकिन यहां कोई मानवता नहीं ट्रेन के ड्राइवर और गार्ड से स्टेशन मास्टर ने घटना का मेमो लेकर जीआरपी कन्नौज को भेजा। जीआरपी ने घटना सिविल पुलिस क्षेत्र की बताई।

यूपी निकाय चुनाव: इन जिले की सीमाएं 48 घंटे से पहले सील होंगी

लखनऊ। यूपी के जिन निकायों में मतदान होगा, उनके जिलों की सीमाएं मतदान से 48 घंटे पहले सील कर दी जाएंगी। इस दौरान जिले में आने वाले लोगों पर नजर रखी जाएगी। इतना ही नहीं 48 घंटे पहले से ही जिले में शराब की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी जाएगी। मतगणना के दिन एक दिसंबर को समूचे राज्य में शराब की दुकानें बंद रहेंगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त एसके अग्रवाल के मुताबिक 10 फीसदी पोलिंग बूथ अति संवेदनशील हैं।

इन पोलिंग बूथों पर निरंतर

पत्नी की जान लेने के बाद खुद को मारी गोली

एटा। यूपी के एटा में पारिवारक विवाद में युवक ने पत्नी की हत्या करने के बाद पुलिस के सामने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इससे पहले भाई को भी गोली मार दी। एसएसपी, एएसपी की अपील के बाद भी जब फायर कर रहा युवक बाहर नहीं आया तो पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। गोली लगने से घायल हुए युवक को आगरा रेफर किया गया है।

कोतवाली नगर के निधौली रोड पर सोनू (40) स्मैक का नशा करने का आदी है। नशा करने के बाद उसके सिर पर सनक सवार हो जाती है। शनिवार की सुबह नशा करने के बाद घर में विवाद करने लगा। सोनू अपनी पत्नी रूबी (35) के साथ कमरे में बंद हो गया। भाई रवि न सोनू को समझाने का प्रयास किया तो रवि को कमरे से ही गोली मार दी। रवि के गोली हाथ में लगी। गोली लगते ही पूरा घर दहशत में आ गया। हाथ में तमंचा लेकर लहरा रहा था।

इस मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस के पहुंचते ही वह बौखला गया। पुलिस को भी गालियां देने लगा। कोतवाली पुलिस के समझाने के बाद भी मामला नहीं सुलझा तो अधिकारियों को बताया गया। सीओ सिटी वरुण कुमार, एएसपी संजय कुमार पहुंच गई। एएसपी के भी प्रयास विफल हो गए। हाथ में तमंचा लिए गालियां दिए जा रहा था। पुलिस घर के बाहर खड़ी थी इसी समय गोली चलने की आवाज सुनाई दी। कुछ ही देर में दूसरी गोली चली।

पुलिस को अनहोनी की आशंका होने लगी। पुलिस ने उसके घर में आंसू गैस के गोले छोड़े। इसक बाद भी जब वह बाहर नहीं निकला तो पुलिस घर के अंदर घुस गई। पुलिस ने कमरे के अंदर झांककर देखा तो दोनों खून से लथपथ पड़े थे। गेट तोडकर जब बाहर निकाला तो रुबी की मौत हो चुकी थी जबकि सोनू की सांसे चल रही थी। सोनू को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। सोनू अपनी पत्नी रूबी (35) के साथ कमरे में बंद हो गया। भाई रवि न सोनू को समझाने का प्रयास किया तो रवि को कमरे से ही गोली मार दी। रवि के गोली हाथ में लगी। गोली लगते ही पूरा घर दहशत में आ गया। हाथ में तमंचा लेकर लहरा रहा था।

चिकित्सकों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर एसएसपी अखिलेश चौरसिया भी मौके पर पहुंच गए। घायल रवि की हालत गंभीर देख आगरा रेफर किया गया है।

बिहार

कोसी नदी पर बनने वाले रेल पुल में खर्च होंगे 1172 करोड़, रेलवे बोर्ड ने दी मंजूरी

मुजफ्फरपुर.कोसी नदी पर रेल पुल बनने के बाद 83 साल से ध्वस्त कोसी-सीमांचल क्षेत्र को रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए अब 1172 करोड़ रुपए खर्च होंगे। सकरी-झंझारपुर-निर्मली-सरायगढ़ होते हुए सहरसा-फारबिसगंज तक करीब 215 किलोमीटर रेलखंड को आमान परिवर्तन (गेज कन्वर्जन) कर रेल सेवा चालू करने के लिए रिवाइज इस्टीमेट को रेलवे बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। इसकी प्रारंभिक स्वीकृत लागत 301 करोड़ रुपए थी। मार्च 2015 तक 283.44 करोड़ रुपए खर्च भी हो गए। अगले दो साल के अंदर कोसी-सीमांचल क्षेत्र में सीधी रेल सेवा बहाल करने के लिए चालू वित्तीय वर्ष में इस रेल खंड के आमान परिवर्तन पर 125 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

मालूम हो कि पिछले कई वर्षों से मिथिला क्षेत्र को वाया कोसी होते हुए सीमांचल तक रेल सेवा बहाल करने के लिए कोसी नदी पर रेल पुल निर्माण के साथ-साथ छोटी रेल लाइन को बड़ी लाइन में बदलने के लिए आमान परिवर्तन प्रस्तावित है। रेल बजट में सकरी-झंझारपुर-निर्मली-सरायगढ़ होते हुए सहरसा-फारबिसगंज तक करीब 215 किलोमीटर तथा मानसी-सहरसा, सहरसा-दौराम, मधेपुरा-पूर्णिया तक 143 किलोमीटर रेल लाइन के आमान परिवर्तन की योजना प्रस्तावित है। इन दोनों रेलखंड के आमान परिवर्तन पर प्रारंभिक स्वीकृत लागत करीब 778 करोड़ रुपए थी। कोसी में रेल पुल बनने के बाद अब प्राथमिकता के आधार पर सकरी से झंझारपुर तक आमान परिवर्तन के लिए मई माह से छोटी लाइन पर रेल सेवा बंद है।

83 साल से कोसी-सीमांचल में सीधी रेल सेवा नहीं

1934 के भूकंप के दौरान सरायगढ़ व निर्मली के बीच कोसी में रेल पुल ध्वस्त हो गया था। इसके बाद से कोसी-सीमांचल क्षेत्र में सीधी रेल सेवा भंग है। 82 साल बाद करीब 560 करोड़ रुपए की लागत से कोसी में रेल पुल तो बन गया पर इस क्षेत्र में रेल सेवा बहाल नहीं हो सकी।

विवाद के बाद पूर्व मंत्री ने कहा-मेरी हत्या की साजिश रच रहे हैं सांसद

औरंगाबाद.देव छठ मेला के उद्घाटन के दौरान सांसद सुशील कुमार सिंह व पूर्व मंत्री रामाधार सिंह के बीच हुए विवाद के बाद जिले की सियासत गरमा गई है। पूर्व मंत्री ने सांसद सुशील कुमार सिंह पर हत्या कराने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। तो उधर सांसद ने पूर्व मंत्री को पागल करार देते हुए कांके जाने की नसीहत दी है।

पूर्व मंत्री रामाधार सिंह ने दैनिक भास्कर को बताया कि देव में छठ मेला के उद्घाटन समारोह में प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए सांसद ने न सिर्फ जानबुझ कर हंगामा कर जिले का नाम बदनाम किया। बल्कि उनकी हत्या कराने के लिए झारखंड के धनबाद से अपने सर बेटा जो अपराधी है। उसे हत्या करवाने के लिए बुलाया था। इसकी सूचना धनबाद में रह रहे एक शुभचिंतक ने मुझे दी। जिसके बाद वे रास्ता बदलकर जान बचाते हुए एक दूसरे रास्ते से नौगढ़ होते हुए अपने गांव सोखया गए। पूर्व मंत्री ने कहा कि इस मामले को लेकर सबसे पहले अपने नेता व सूबे के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी से मिलकर कहेंगे। वहीं अपने जान की सुरक्षा को लेकर सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर इस मामले की शिकायत करेंगे।

भाजपा सांसद सुशील कुमार सिंह के प्रतिनिधि अश्विनी कुमार सिंह ने कहा कि पूर्व मंत्री का दिमागी हालत खराब है। उन्हें इलाज के लिए कांके जाना चाहिए। जब मंत्री थे तब भी ऐसे अनाप-शनाप आरोप लगाते थे। आज भी लगा रहे हैं। लेकिन पहले खुद पर लगे आरोप पर जवाब दें पूर्व मंत्री। उनकी बेटी उनपर गंभीर आरोप लगाई। कई और गंभीर आरोप लगे। जिसकी जवाब पूर्व मंत्री को देना चाहिए। सांसद हमेशा जनता के लिए काम करते हैं। मैं उनकी चाल को समझता हूं। मीडिया में बने रहने के लिए अक्सर ऐसे विवादित बयान पूर्व मंत्री देते रहे हैं।

बिहार हादसा: छठ समापन के बाद पसरा मातम, डूबने से हुई 73 की मौत

पटना। उदीयमान सूर्य को अर्घय देने के साथ ही शुक्रवार को चार दिवसीय छठ पूजा संपन्न हुई। इस पूजा में नदी व तालाबों में नहाने के दौरान डूबने से करीब 73 लोगों की जान चली गयी। हालांकि आपदा प्रबंधन विभाग ने 16 की मौत की पुष्टि की है। बेगूसराय में पांच, वैशाली में पांच, पटना में आठ, अरवल में दो, कैमूर में दो, सारण में दो, रोहतास में दो तथा औरंगाबाद व नालंदा में एक-एक की मौत हो गयी।

इधर, भागलपुर समेत कोसी, सीमांचल और पूर्व बिहार के जिलों में चार दिवसीय छठ पर्व के दौरान डूबने से 26 लोगों की मौत हो गयी है। भागलपुर में 8, सहरसा में 5, मधेपुरा व पूर्णिया में एक-एक, अररिया में 2, खगड़िया में 6 और बांका में 3 लोगों के डूबने की सूचना है। छठ के दौरान 23 लोगों के डूबने से संबंधित परिवारों के उल्लास का माहौल मातम में बदल गया है। वहीं, इन घटनाओं से प्रशासनिक तैयारियों पर भी सवाल उठने लगे हैं।

उत्तर बिहार में छठ के दौरान डूबने से 17 लोगों की मौत हो गई। समस्तीपुर में सात व सीतामढ़ी में छह लोग डूबने से मर गए। मुजफ्फरपुर में तीन व मधुबनी में एक की जान चली गई। मुजफ्फरपुर के कांटी, सरैया व औराई प्रखंडों में हादसे हुए। वहीं, सीतामढ़ी में चार जगहों पर हादसे हुए। समस्तीपुर में 36 घंटे के दौरान अलग-अलग जगहों पर नौ लोग डूब गए। इनमें सात की लाश पानी से निकाल ली गई।

वहीं, मधुबनी जिले के झंझारपुर में कमला बलान नदी पर स्थित रेल सह सड़क पुल के नीचे बने घाट पर शुक्रवार सुबह अर्घय देने के क्रम में दो किशोर डूबने लगे। लोगों ने एक किशोर को बचा लिया। दूसरे की लाश करीब 6 घंटे के बाद कुछ दूरी पर मिली।

इधर, पूर्वी चंपारण के चिरैया प्रखंड के मीरपुर में दो सगी बहनों की मौत पोखर में डूबने से हो गई। कमलेश साह की बेटियां सुषमा (9) व ममता (7) सामा-चकेवा के मिट्टी लाने पोखर किनारे गई थीं। पैर फिसलने से दोनों डूब गईं।

सेल्फी के चक्कर में डूबने से किशोर की गई जान

अस्थावां (नालंदा)। प्रखंड के सारे थाना क्षेत्र के कैला गांव में छठ का उल्लास मातम में बदल गया। गुरुवार की संध्या अर्घय देने के दौरान एक किशोर की डूबने से मौत हो गयी। चर्चा है कि सेल्फी लेने के दौरान किशोर तालाब में गिर गया। स्थानीय लोगों की सहायता से उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया है।

जागरण के नाम पर हुआ बार बालाओं का डांस, डांसर के साथ झूमे मुखिया जी

नवादा/पटना.छठ पूजा में जागरण के नाम पर अश्लील डांस का एक मामला सामने आया है। मामला नावादा जिला के नारदीगंज के हड़िया सूर्य मंदिर के पास आयोजित मेले की है। अश्लील डांस पर स्थानीय मुखिया ने भी डांस किया। मेले की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी भी डांस का खूब मजा लेते दिखे।

पूजा के नाम पर हुआ अश्लील डांस लोक आस्था का महापर्व छठ व्रत समाप्त होने के बाद जागरण के नाम पर अश्लील डांस का एक मामला सामने आया है।

मेला समिति ने रात्रि जागरण का आयोजन किया था। इस जागरण में श्राद्धालुओं के सामने अश्लील गाने और डांस परोसे गए।

डांसर के साथ मुखिया ने भी किया डांस

गाने पर डांस के दौरान मंच पर बैठे हड़िया पंचायत के मुखिया प्रमोद कुमार ने भी डांस किया।

वीडियो में नारदीगंज थाना के एसआई अंजनी कुमार मुखिया को डांसर के साथ डांस करने के लिए प्रेरित करते दिखे।

नवादा जिले के नारदीगंज प्रखंड के हड़िया पंचायत के मुखिया प्रमोद कुमार पर मुख्यमंत्री के सात निश्चय कार्यक्रम के क्रियान्वयन में 85 लाख रुपए की वितीय अनियमितता का आरोप है।

वहीं, मुखिया डांस करनेवाली उस बार बाला के साथ डांस करते वीडियो में कैद हो गए। वह डांसर पर पैसे लूटाते नजर आए।

बताते चलें कि नारदीगंज इलाके में स्थित हड़िया सूर्य मंदिर को भगवान भास्कर की पावन भूमि के नाम से जाना जाता है।

पत्नी की मौत के बाद बहू पर बुरी नजर रखता था ससुर, इंकार पर जिंदा जलाया

बांका.बिहार के बांका में ससुर ने बहू के साथ रेप करने की कोशिश की। बहू ने इसका विरोध किया तो ससुर ने पहले उसे बेरहमी से पीटा फिर जिंदा जला दिया। बेटे की शादी के बाद से ही ससुर बहू पर गंदी नजर रखता था। घटना बांका जिले के धौरैया थाना क्षेत्र के सिझ्झत बलियास गांव में शुक्रवार रात को घटी।

जोगेंद्र मांझी ने अपने बेटे इंदल कुमार की शादी तीन साल पहले गौराडीह थाना क्षेत्र के सरायगढ़ की 21 साल की आशा देवी से की थी।

इंदल सुल्तानगंज के एक होटल में काम करता है। कुछ समय पहले जोगेंद्र माझी की पत्नी की मौत हो गई थी।

पत्नी की मौत के बाद से जोगेंद्र बहू पर गंदी नजर रखने लगा। वह बहू पर फिजिकल रिलेशन बनाने का प्रेशर डालता था, लेकिन बहू को यह मंजूर न था।

पहले पीटा फिर जलाया

शुक्रवार को किसी काम से इंदल अपने ससुराल गया हुआ था। इसी दिन जोगेंद्र बहू के साथ एक रिश्तेदार के यहां होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने गया और शाम को अपने घर लौट आया।

रात में जोगेंद्र ने बहू के साथ मनमानी करने की कोशिश की, जिसका बहू ने विरोध किया। इस बाद से जोगेंद्र भड़क गया। उसने घर बंद कर बहू को बेरहमी से पीटा। पिटाई करके भी जब जोगेंद्र का मन नहीं भरा तो उसने दर्द से तड़पती बहू के शरीर पर केरोसिन तेल डाला और आग लगा दिया।

बहू को जिंदा जलाने के बाद जोगेंद्र गांव छोड़कर भाग गया।

शरद को आगे करके जदयू को तोड़ना चाहती थी कांग्रेस

पटना। जदयू ने कांग्रेस पर पार्टी तोड़ने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। शनिवार को प्रदेश जदयू के अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह ने कहा कि कांग्रेस शरद यादव को आगे करके जदयू को तोड़ना चाहती थी। लेकिन उसका यह हथकंडा सफल नहीं हो सका। कांग्रेस की करतूतों से ही पूरे देश में उसका सफाया होता जा रहा है। अब अगर राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष बन भी जाते हैं तो राजनीतिक रूप से इसका कोई असर नहीं पड़ने वाला।

प्रदेश जदयू अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पर विपक्षी एकता की जवाबदेही थी लेकिन वह अपने स्वार्थ से आगे नहीं बढ़ सकी। पार्टी पर एक परिवार का ही असर है।

वैज्ञानिक आइडिया में बिहार के सरकारी स्कूलों के बच्चे आगे

पटना। राज्य के माध्यमिक विद्यालयों में भले ही विज्ञान प्रयोगशाला न हो। शिक्षक की कमी से विज्ञान की पढ़ाई भी नहीं होती हो। फिर भी सरकारी स्कूलों के बच्चे विज्ञान में आगे निकल रहे हैं। राज्य स्तर के इंस्पायर साइंस अवार्ड 2017 में चयनित बच्चे तो यही साबित कर रहे हैं। बिहार राज्य माध्यमिक शिक्षा परिषद् की ओर से आयोजित इंस्पायर साइंस अवार्ड प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 20 बच्चे चयनित हुए हैं। इनमें तीन प्राइवेट और बाकी 17 सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी हैं। इस तरह विज्ञान की नई खोज, वैज्ञानिक आविष्कार के लिए नए आइडिया में इन सरकारी स्कूलों के बच्चों ने प्राइवेट स्कूलों के बच्चों को पीछे छोड़ दिया है। इंस्पायर साइंस अवार्ड की शुरुआत 2009-10 में की गयी थी। इसमें छठी कक्षा से 10वीं तक के विद्यार्थी को शामिल होने का मौका मिलता है।

राष्ट्रीय स्तर का आयोजन दिसंबर में

बिहार में प्रमंडल स्तर पर 143 बच्चों का चयन राज्य स्तरीय इंस्पायर साइंस अवार्ड के लिए हुआ था। इसमें 20 बच्चों का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए हुआ है। इंस्पायर अवार्ड प्रभारी सुशील कुमार ने बताया कि देश भर से एक लाख आइडिया का चयन प्रखंड स्तर पर किया जाता है। इसके बाद जिला स्तर, राज्य स्तर और फिर राष्ट्रीय स्तर पर देश भर से एक हजार बच्चे चयनित होते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर एक हजार में 60 बच्चों का चयन होता है।

4 वर्ष के बालक का अपहरण करने वाले आरोपी को खटोदरा पुलिस ने मध्य प्रदेश से पकड़ा

सूरत। शहर के ब्रेडलाइनर सर्कल, हिंदुस्तान स्टील एण्ड सिमेंट गोडाउन के निकट डी-1, साई आशीष सोसायटी निवासी भरत भुलन पांडेय द्वारा उनके 4 वर्षीय बच्चे के अपहरण की शिकायत खटोदरा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई थी। जिसमें फरियादी द्वारा बताया गया था कि 17 अक्टूबर 2017 को दोपहर ढाई बजे के करीब आरोपी मुकेश उर्फ मुसा पुत्र मानसिंह चौहान, उम्र-20 वर्ष, निवासी आजादनगर खाड़ी पुल के निकट, झोपड़पट्टी खटोदरा ने उनके 4 साल के बच्चे का अपहरण कर लिया है। फरियादी की शिकायत तथा निशान देह पर खटोदरा पुलिस ने आरोपी को सही सलामत हालत में अपहृत बालकसहित आरोपी को मध्य प्रदेश से पकड़ लिया।

नायब पुलिस कमिश्नर जोन-2, सूरत तथा सहायक पुलिस कमिश्नर ई - डिविजन के निर्देश तथा पुलिस इंस्पेक्टर खटोदरा पुलिस स्टेशन के मार्गदर्शन में पुलिस सब इंस्पेक्टर, सर्वेलेंस स्टाफ की टीम ने मध्य प्रदेश के खंडवा से स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी को पकड़ कर अपहृत बालक को असके पिता को सही सलामत हालत में सौप दिया।

सूरत। दिपावली की छुट्टीयों के दौरान शहर के पाल रोड़ स्थित एक्वेरियम में इन दिनों लोगों की काफी भीड़ उमड़ रही है। इस अवसर पर लोग परिवार सहित एक्वेरियम में घुमने आ रहे है ।

श्री श्याम जन्मोत्सव 31 को

सूरत। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से 31 अक्टूबर को श्याम जन्मोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए श्याम भक्त कपीश खाटूवाला ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन वीआईपी रोड स्थित श्याम मंदिर सूरत धाम के लखदातार हाल में रात्रि 8 बजे से 12 बजे तक चलेगा। इस अवसर पर कोलकत्ता के भजन गायक संजय अग्रवाला बाबा के भजनों की प्रस्तुति देंगे। बाबा के अलंकृत दरबार में अखम्ण्ड ज्योत प्रज्वलित कर छप्पन भोग चठाए जाएंगे। साथ ही भक्तों द्वारा केक काटकर श्याम जनेमोत्सव की खुशियां मनाई जाएंगी।

सूरत। सूरत की जीवन दायनी तापी नदी में इन दिनों जलकुम्भी तथा जलीय वनस्पतियों का अम्बार लगा हुआ है। जिसके कारण तापी नदीं में विविध प्रकार के पक्षियों का बसेरा देखने को मिल रहा है।

सुदामा चरित्र के साथ सम्पन्न हुआ भागवत कथा

सूरत। शहर के न्यू सिटीलाइट रोड स्थित श्री मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में चल रहे भागत कथा का समापन शनिवार को सुदामा चरित्र के साथ हो गया। सिंघल परिवार द्वारा आयोजित भागवत कथा के अंतिम दिन व्यास पीठ से कथा व्यास साध्वी वर्षा नागर ने कृष्ण के बचपन के मित्र सुदामा के उत्तम चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि सुदामा ने अपने जीवन में कभी सदैव धर्म का पालन किया। कृष्ण और सुदामा की मित्रता का वर्णन करते हुए साध्वी ने कहा कि जब सुदामा अपने बचपन के मित्र कृष्ण से मिलने द्वारिका पहुंचे तो उनकी हालत अत्यंत दीनहीन की थी। उनके पांवो में बेवाई फटे होने से पावें में एक-एक अंगुल गड्ढे पड़ गए थे। अत्यंत दीनहीन अवस्था में जब वे द्वारिकाधीश के महल के पास पहुंचे तो उन्हें यह सूझ ही नहीं रहा था कि मैं कृष्ण से कैसे मिलू।

गुजरात में 50 फ़ीसदी भाजपा विधायकों के टिकट काटने की तैयारी

बदले हुये समीकरण से मिलेंगे युवाओं को टिकट

अहमदाबाद (ईएमएस)। विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी अपने 50 फ़ीसदी से अधिक विधायकों के टिकट काटने जा रही है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय जनता पार्टी बदले हुए राजनीतिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए युवाओं को सबसे ज्यादा मौका देगी। भारतीय जनता पार्टी इस बार जातीय आधार पर ही टिकट बांटने का काम करेगी। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने प्रस्तावित सूची में काफी फेरबदल कराया है। लगभग 50 फ़ीसदी वर्तमान विधायकों को टिकट नहीं देने की सहमति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष के बीच में बन गए हैं। भ्रष्टाचार तथा अन्य अपराधों के आरोप में और जनता की नाराजगी को आधार बनाकर वर्तमान विधायकों के टिकट काटने का निर्णय लिया गया है। गुजरात के तीन युवा नेताओं द्वारा कांग्रेस के पक्ष में खुलकर मैदान में आ जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने भी अब अपनी रणनीति बदल दी है। इस बार लोहे को लोहे से काटने की रणनीति अपनाई गई है। भाजपा ज्यादा से ज्यादा युवाओं को चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है।

50 से ज्यादा सभाओं को संबोधित करेंगे मोदी

गुजरात के विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है। गुजरात विधानसभा चुनाव में कम से कम 50 जनसभाओं को जन संबोधित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी ने सूचना प्रौद्योगिकी का भी जमकर उपयोग किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात चुनाव प्रचार में 14 राज्यों के मुख्यमंत्री और लगभग तीन दर्जन स्टार प्रचारकों को जिम्मेदारी सौंपने की योजना बनाई है।

मनमोहन कांग्रेस के स्टार प्रचारक

कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी के अलावा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को गुजरात के चुनाव प्रचार में मुख्य रूप से जिम्मेदारी सौंपी है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह 7 नवंबर को अहमदाबाद में उद्योग एवं व्यापार जगत के लोगों को संबोधित करेंगे। सूत्रों के अनुसार पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को सूरत और राजकोट की जनसभाओं में भी भेजा जाएगा। वहां पर वह वतर्मान प्रधानमंत्री मोदी की गलत आर्थिक नीतियों के कारण देश की जो दुर्दशा हुई है। उसके बारे में व्यापारियों और जनता को संबोधित कर कांग्रेस के पक्ष में वातावरण बनाएंगे।

बहुचर्चित 3 पुलिस अधिकारी भी चुनाव मैदान में

विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने के बाद गुजरात पुलिस के 3 चर्चित पुलिस अधिकारी भी भाजपा की टिकट में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं पूर्व आईपीएस अधिकारी डीजी वंजारा पूर्व एसपी एन के अमीन तथा पूर्व डीएसपी तरुण बारोट का नाम चुनाव लड़ने वालों की सूची में शामिल है।

गुजरात चुनाव में मोदी और मनमोहन होंगे आमने-सामने

कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल हैं पूर्व प्रधानमंत्री सात नवंबर को अहमदाबाद में उद्योग जगत के लोगों को संबोधित करेंगे

अहमदाबाद। गुजरात में विधानसभा चुनाव की तारीखों के एलान के साथ ही भाजपा और कांग्रेस अपनी दूसरे चरण की रणनीति के मुताबिक वोट बैंक को जोड़ने वाले स्टार प्रचारकों की रैलियों की तैयारियों में जुट गए हैं। भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 50 सभाएं करेंगे, वहीं कांग्रेस भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को मैदान में उतारेगी। चुनाव प्रचार के लिए भाजपा और कांग्रेस परंपरागत साधनों के साथ सूचना प्रौद्योगिकी का भी जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं।

रुपए न देने पर पुत्र ने वृद्ध माता को मार दिया

राजकोट (ईएमएस)। शहर के बेटी गांव में रुपए देने पर एक शख्स ने अपनी वृद्ध माता को मौत के घाट उतार दिया। वृद्धा की पुत्रवधु 45 वर्षीय भानुबेन हमीरबाई गोहिल की शिकायत के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक 70 वर्षीय मणीबेन गोहिल के पांच पुत्र हैं और उनके पति बचुभाई गोहिल का 25-30 पहले देहांत हो गया था। मणीबेन गोहिल अपने पुत्रों के साथ मकान के एक छोटे कमरे में रहती थीं। मणीबेन के एक पुत्र बाबू की पत्नी 12-13 साल पहले गुजर रही थी और उसकी पुत्री ससुराल में है। जिससे बाबू गोहिल अपने भाई के साथ रहता था। ऑटो रिक्शा चलानेवाला बाबू गोहिल आए दिन अपनी माता मणीबेन से रुपए मांगा करता था। कई दफा अपनी भाभी से रुपए मांगकर ले जाता था। शिकायतकर्ता भानू गोहिल ने पुलिस को बताया कि कल रात मणीबेन को पीने का पानी देने गई तब वे खाट पर लेटी हुई थी और मुझे बताया कि बाबू उनसे रुपए मांग रहा था। नहीं देने पर बाबू ने उनके साथ मारपीट की थी। बाद में सास मणीबेन ने अपने गुप्त भाग की ओर इशारा किया। जब देखा तो उनके पेटीकोट पर लहू के धब्बे थे। भानुबेन के मुताबिक उन्होंने अपनी सास का पेटीकोट बदलवाया और उन्हें सुलाकर अपने कमरे में चली गई। सुबह साढ़े दस बजे भोजन देने गई तब मणीबेन सो रही थी, जिससे उन्हें जगाया नहीं और लौट आई। दोपहर साढ़े बारह बजे जब गई तब भी मणीबेन को सोता देख उन्हें जगाने का प्रयास किया, लेकिन नहीं उठीं तो आसपास के लोगों को बुला लिया। जांच की पता चला कि मणीबेन की मौत हो चुकी है। जिसके बाद भानु गोहिल ने अपने सगे-संबंधियों को बुलाया और शाम को पुलिस को घटना की जानकारी दी। भानु गोहिल ने आरोप लगाया कि उनके देवर ने मणीबेन लाठी से पीट पीट कर मार डाला। इतना ही नहीं बाबू ने अपनी वृद्ध माता के गुप्त भाग पर भी लकड़ी से प्रहार कर गंभीर चोट पहुंचाई, जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई।

गुजरात में चुनावी सरगर्मियों के बीच छिड़ा ऑडियो क्लीप युद्ध

नरेन्द्र पटेल के कांग्रेस से रुपयों के लेन-देन के कथित छह ऑडियो वायरल

ऑडियो क्लीप को लेकर भाजपा ने साधा कांग्रेस पर निशाना

अहमदाबाद (ईएमएस)। भाजपा से एक करोड़ की ऑफर और टोकन स्वरूप 10 लाख रुपए मिलने का दावा करनेवाले पास नेता नरेन्द्र पटेल के कांग्रेस के साथ रुपयों की लेन-देन के कथित 6 ऑडियो वायरल होने से गुजरात की राजनीति गरमा गई है और आरोप-प्रत्यारोपों को दौर तेज हो गया है। नरेन्द्र पटेल ने कथित ऑडियो क्लीप में उनकी आवाज होने से साफ इंकार कर दिया है। गुजरात विधानसभा चुनाव के ऐलान के साथ राज्य में राजनीतिक गतिविधयां तेज हो गई हैं। कुछ दिन पहले मेहसाणा के पास संयोजक नरेन्द्र पटेल ने भाजपा नेता वरूण पटेल पर ऑडियो बम फोड़ा था। अब नरेन्द्र पटेल की कथित ऑडियो क्लीप वायरल हुई है। एक नहीं बल्कि 6-6 ऑडियो क्लीप वायरल होने से राज्य की राजनीति गर्मा गई है। जारी हुई जिन ऑडियो क्लीप में नरेन्द्र पटेल की आवाज होने का दावा किया जा रहा है, उसकी बातचीत में कांग्रेस नेता अहमद पटेल समेत अन्य नेताओं का उल्लेख किया जा रहा है और उनके साथ रुपयों के लेन-देन की बातचीत की जा रही है। सरकार के खिलाफ आंदोलन के लिए कांग्रेस की ओर से पास को रुपए मिलते होने का कथित ऑडियो क्लीप से लग रहा है। लेकिन ऑडियो क्लीप में जो आवाज है, वह नरेन्द्र पटेल की है या नहीं, इसका कोई ठोस सबूत नहीं है। ऑडियो क्लीप वायरल होने के बाद नरेन्द्र पटेल ने भी इसमें अपनी आवाज होने से साफ इंकार कर दिया है और चुनौती दी है कि इसकी एफएसएल से जांच करवाई जाए।

शाह की सभा में नारेबाजी के लिए नरेंद्र पटेल ने लिए दस हजार, वायरल हुआ आडियो

अहमदाबाद (ईएमएस)। इन दिनों पाटीदार अनामत आंदोलन समिति (पीएएएस) के नेता नरेंद्र पटेल का एक ऑडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह किसी को बता रहे हैं कि उन्हें भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के कार्यक्रम में नारेबाजी करने के लिए दस हजार रुपए दिए गए थे। नरेंद्र पटेल ने दावा किया है कि यह आडियो क्लिप फर्जी है। आपको याद होगा यह वही नरेंद्र पटेल हैं, जिन्होंने कुछ दिन पहले आरोप लगाया था कि उन्हें भाजपा में शामिल होने के एवज में एक करोड़ रूपए देने का प्रस्ताव किया गया था। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे ऑडियो क्लिप में नरेंद्र पटेल होने का दावा कर रहा शख्स कह रहा है कि सूरत में अमित शाह के कार्यक्रम में हुल्लड़बाजी और नारेबाजी के एवज में उन्हें दस हजार रुपए मिले। क्लिप में पटेल ने कहा मैंने तीन से पांच दिनों तक जनसभाओं में हिस्सा लिया और उसमें ही मुझे यह पूरी राशि खर्च करनी थी। जिस व्यक्ति ने मुझे पैसे दिए उसने अमित शाह की बैठक में उनके खिलाफ नारेबाजी करने के निर्देश दिए थे।

सोशल मीडिया में मोदी शीर्ष पर बरकरार, दूसरे नंबर पर राहुल गांधी

अहमदाबाद (ईएमएस)। सोशल मीडिया पर गुजरात विधानसभा चुनाव प्रचार की धूम है। लोकप्रियता के लिहाज से देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब भी सोशल मीडिया किंग हैं। उनके बाद कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी का नंबर आता है। हार्दिक पटेल की लोकप्रियता का ग्राफ भी काफी ऊपर है। भाजपा को यह बात परेशान कर सकती है कि पाटीदार नेता हार्दिक पटेल और ओबीसी, एससीएसटी एकता मंच के नेता अल्पेश ठाकोर गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपानी से कहीं ज्यादा सर्च किए गए हैं। 'विकास गंडो थायो छे' (विकास पगला गया है) ट्रेंड की शुरुआत अगस्त में हुई थी। इसके बाद से जैसे-जैसे गुजरात चुनाव आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे चुनावी ट्रेंड भी तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं। जहां एक तरफ सभी पार्टियां अपनी 'साइबर आर्मी' को तैयार कर ही रही हैं, वहीं 'विकास गंडो थायो छे' ने राज्य की दोनों पार्टियों के लिए अजेंडा तय कर दिया है। इसका असर दोनों पार्टियों के समर्थकों की तरफ से किए जा रहे ट्वीट में भी दिख रहा है। पीएम मोदी अब भी सोशल मीडिया पर लोगों की पहली पसंद बने हुए हैं। इसके बाद कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी का नंबर आता है। इंटरनेट सर्च को लोकप्रियता का आधार माना जाए तो हार्दिक पटेल मुख्यमंत्री विजय रूपानी से कहीं ज्यादा लोकप्रिय बने हुए हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं ताप्तीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com